हम परमेश्वर के सम्मुख उन पापों को स्वीकार करते हैं जो हमने किए है।

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के सेवाकार्य

बच्चो की आयु तथा जरूरतों के अनुसार कार्यक्रम बनाए।

प्रार्थना: प्यारे परमेश्वर बच्चों को उनके पापों को स्वीकार करने में सहायता करें ताकि आप उनकी गुनाह करने की जंजीर को तोड़े, उनको अपमान से मुक्त करें और बुरी आदतो से बचाए। प्रत्येक लड़की और लड़को के सद्विचार को खोले! हमारी प्रार्थना सुने तथा माफ करें और हमारे हृदय को शान्ति प्रदान करें।

कोई व्यक्ति या बड़ा बच्चा यह बताए कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने लोगों को पापो का अंगीकार करने में तथा गुनाहों की माफी में कैसे सहायता की। तैयारी के लिए **मत्ति 3:1-12 तथा लूका 3:10-18** पढ़ें। कहानी सुनाने के बाद बच्चो से यह प्रश्न पूछें।

- यहून्ना बपतिस्मा देने वाले ने लोगों को कहाँ प्रचार किया (3:1)
- यहून्ना ने लोगों से क्या करने को कहा (3:1)
- पश्चाताप् प्रदर्शित करने के लिए लोगों ने कौन से दो काम किए (मत्ति 3:6)
- पश्चाताप् का क्या अर्थ है (पापों को छोड़कर परमेश्वर की आज्ञा मानना)
- यहून्ना ने उन लोगो को क्या कहा जो आपने आप को गुनाहों की माफी और पश्चाताप् के लिए स्वच्छ मनते थे। *(मत्ति 3:7-11 उसने उन्हें साँप के बच्चों कहकर बपतिस्मा देने से मना करा और आने वाले प्रकोप से चेतवनी दी।)*
- यहून्ना का क्या मतलब था जब उसने कहा "वह जो मेरे बाद आने वाला है मुझसे ज्यादा सामर्थी है (उसका अर्थ यीशु था)
- यूहन्ना ने क्या कहा कि यीशु करेगा (मत्ति 3:11-12 जो पश्चाताप् करेंगें यीशु उनको पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा और दूसरों पर दण्ड की आज्ञा देगा)
- यूहन्ना ने भीड़ से पश्चाताप् दिखाने के लिए क्या करने को कहा (लूका 3:10-11)
- यूहन्ना ने लालची महसूल कंजूस चुंगी लेने वाले से, बपतिस्मा देने के बाद क्या करने के लिए कहा। (लुका 3:12-13)
- यूहन्ना ने सैनिकों को क्या करने को कहाँ (लूका 3:14)

कहानी के उस भाग का नाटक प्रस्तुत करे जिसमें लोगों ने अपने गुनाहों का अँगीकार किया।

- प्रार्थना अगुवे के साथ मिलकर बच्चो को नाटक प्रस्तुत करने में सहायता करें।
- बच्चो को पढ़ाते समय नाटक दुबारा कराएँ।
- बड़े बच्चे छोटे बच्चों की सहायता करें।
- बुजुर्ग या बड़े बच्चे यूहन्ना, फरीसी, वर्णनकर्त्ता तथा लड़कियों का पात्र करें।
- छोटे बच्चे महसूल लेने वाला, सैनिक और यहूदा के लोगो के पात्र करें।

वर्णनकर्त्ता: मत्ति 3:1-12 से कहानी का पहला भाग बताएं। फिर कहें "सुनो यरूशलेम की पश्चातापी लड़की क्या कहती है"

लड़की: हम जो यहूदा और यरूशलेम में रहते हैं, हमने बहुत बुरे काम किए परन्तु हममें से बहुत बदलना चाहते हैं तथा परमेश्वर की आज्ञाअनुसार रहना चाहते हैं। मैं अपने पापो का अंगीकार करती हूँ।

यूहन्ना: परमेश्वर ने तुम्हें माफ किया। आओ और बपतिस्मा लो।

फरीसी: (ऊँची आवाज में) हम फरीसी धर्मिक अगुवे हैं और स्वच्छ जीवन जीते हैं। हम इसलिए बपतिस्मा ले रहे हैं कि हमने अच्छे कामों के द्वारा परमेश्वर की आशिष पाई है।

यूहन्ना: "ऐ साँप के बच्चों, किसने तुम्हें चेतावनी दी है कि आने वाले प्रकोप से भागो। मन फिराव और योग्य फल लाओ और परमेश्वर की आज्ञा मानो।"

वर्णनकर्ता: कहानी का दुसरा भाग बताए लूका 3:10-18 से और बोले "सुनो, लालची महसूल लेने वाला क्या कहता है।"

महसूल लेने वाला: "हमने बहुत से स्वार्थ के और बुरे काम किए है। हमें क्या करना चाहिए।"

यूहन्ना: जितना लेने की आज्ञा दी गई है उससे अधिक मत लो। आपने अपने पापो को स्वीकार किया है, परमेश्वर ने आपको क्षमा कर दिया। आओ और बपतिस्मा लो।

सैनिक: और हम सैनिकों के लिए, हम क्या करें। हमने भी बहुत पाप किए हैं।

यूहन्ना: किसी पर दबाव डालकर उससे पैसा न लो और न ही किसी पर झूठा दोष लगाओ, परन्तु अपने वेतन से ही सन्तुष्ट रहो। परमेश्वर ने तुमको माफ किया, आओ और बपतिस्मा लो।

वर्णनकर्ता: हर एक का धन्यवाद करे जिन्होंने नाटक में सहायता की।

प्रश्न: यदि बच्चे यह नाटक बडों पुरूषो के लिए प्रस्तुत करते हैं तो बच्चो को ऊपर दिए गए प्रश्न पूंछने दीजिए।

आग का एक **चित्र बनाए** और प्रार्थना के समय वह बडों को दिखाए। उनको व्याख्या करने दीजिए कि यीशु जब मृत्यु में से जी उठेगा वह एक फसल की तरह होगा।

- विश्वासी सदा यीशु के साथ रहेंगें।
- जो परमेश्वर का इन्कार करते हैं उनको वह अलग रखेगा। जिस प्रकार फसल काटनेवाला भूसी और दाने को अलग करता है फिर भूसी को आग में जला देता है।

कविता: बच्चे भजनसंहिता 51 को पढ़ें

2: मेरे अधर्म से मुझे पूर्णत: धो दे, और मेरे पाप से मुझे शुद्ध कर।

3: क्योंकि मैं अपने अपराधो को मानता हूँ, और मेरा पाप निरन्तर मेरे सम्मुख रहता है।

4: मैंने केवल तेरे ही विरूद्ध पाप किया है, और जो दृष्टि में बुरा है वही किया है।

5: देख, मैं अधर्म के साथ उत्पन्न हुआ और पाप के साथ अपनी माता के गर्भ में पड़ा।

7: जूफे से मुझे शुद्ध कर तो मैं पवित्र हो जाऊँगा, मुझे धो, और मैं हिम से भी अधिक श्वेत बनूँगा।

10: हे परमेश्वर, मुझ में शुद्ध हृदय उत्पन्न कर, और मेरे भीतर स्थिर आत्मा फिर से जागृत कर।

बड़े बच्चे पश्चाताप् और गुनाहो की माफी के बारे में कविता या गीत लिखे।

याद करें भजनसंहिता 51:10

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net